



नेपाल राजपत्र

धी ५ को सरकारद्वारा प्रकाशित

खण्ड ५१) काठमाडौं, असार १२ गते २०५८ साल (अतिरिक्ताङ्क १८)

भाग ४

संसद सचिवालयको सूचना

राष्ट्रिय सभाका देहाय बमोजिसका सदस्यहरूको पदावधि २०५८ साल आषाढ १२ गतेदेखि समाप्त भई राष्ट्रिय सभाको २० (बीस) स्थान रिक्त हुन आएको हुँदा राष्ट्रिय सभा नियमावली, २०५५ को नियम १६६ को उपनियम (३) को प्रयोजनको लागि यो सूचना प्रकाशन गरिएको छ।

- | | |
|--|---|
| १) मा. श्री ओमकारप्रसाद थेष्ठ | २) मा. श्री चिरञ्जीवीप्रसाद रिजाल |
| ३) मा. श्री जीवन प्रेम थेष्ठ | ४) मा. श्री प्रकाशमान सिंह |
| ५) मा. श्री भीमबहादुर थेष्ठ | ६) मा. श्री महेन्द्रकुमार मिश्र |
| ७) मा. श्री दोगप्रसाद उपाध्याय
(लुइटेल) | ८) मा. श्री रत्नबहादुर विश्वकर्मा |
| ९) मा. श्री वासुदेव भट्ट | १०) मा. श्रीमती शिलुप्यारी (मुल्मी)
कर्माचार्य |
| ११) मा. श्रीमती थममाया थापा | १२) मा. श्री शान्ता मानवी |
| १३) मा. श्री केशवलाल थेष्ठ | १४) मा. श्री सीतानन्दन राय |
| १५) मा. श्री रवीन्द्रनाथ शर्मा | १६) मा. श्री राजेश्वर देवकोटा |
| १७) मा. श्री कईया चौधरी | १८) मा. श्री कुण्ठलाल थकाली |
| १९) मा. श्री लघुधन राई | २०) मा. श्रीमती शारदा पोख्रेल |

आज्ञाले,
राधेश्याम भट्टराई
राष्ट्रिय सभाका सचिव

मुद्रण विभाग, सिंहदरबार, काठमाडौंमा मुद्रित।
आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।



କଣାର ତାତ୍ପର୍ୟ

ଶାରୀରିକ ଜୀବନକାଳେ ମହାଦେଵ

(କ) ନାନ୍ଦନାନ୍ଦନୀଙ୍କ (ଲିଖିତ ଓ ପ୍ରକାଶକ) ବିଭାଗ (ପ୍ରକାଶକ)

୪ ଅଧ୍ୟାତ୍ମ

ମନ୍ଦ୍ର କିମ୍ବା ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର

ମନ୍ଦ୍ର ଏକ ଭିନ୍ନକିମ୍ବା ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଆହୁର ହାତରେ ଦେଖିଲୁ
ଯୁ କରେ ମନ୍ଦ୍ର (ମନ୍ଦ୍ର) ଏବଂ ମନ୍ଦ୍ର କେବଳ ମନ୍ଦ୍ର ନାହାନ୍ତିର
(୧) ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର କି ଏହି ମନ୍ଦ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର
ଏବଂ ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ର ଏହି ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି
ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୨) ମନ୍ଦ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୩)

ମନ୍ଦ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୪) ମନ୍ଦ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୫)

ମନ୍ଦ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୬) ମନ୍ଦ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୭)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୮) ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୯)

(ମନ୍ଦ୍ର) ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର (୧୦) ମନ୍ଦ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୧୧)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୧୨)

ମନ୍ଦ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୧୩)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୧୪)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୧୫)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୧୬)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୧୭)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୧୮)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୧୯)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୨୦)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୨୧)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୨୨)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୨୩)

ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ମନ୍ଦ୍ରମାତ୍ର ଏହି (୨୪)

ଆଧିକାରିକତା ମୁଦ୍ରଣ ବିଭାଗବାଟ ପ୍ରମାଣିତ ଗରିଏପଛି ମାତ୍ର ଲାଗୁ ହୁନେଛା